॥ अथ श्रावक षँडेलवारां की उत्पत्ति लिष्यते॥ चतुर्थ काल मैं श्रावक व्रत वर्ते ऐसे मैं
प्रथम प्रतिमा तैं लेर ग्यारा भेद ताँई जाणो॥ श्री वर्द्धमान भगवान मुक्ति पधारे तीं पाछे चौथे का
लका वर्ष तीन साढे आठ मही नां वाकी रह्यां तीं पाछे वर्ष छसै तीयासी ६८३ पाछे अप
राजित मुनि का सिंधारे मैं श्री जिनसेन आचार्य हुवा सो सं वत् ९ वर्ष मे मो सर पाय श्री
जिनसेन आचार्ज जी पंचसै १०० मुनि सहित विहार करे जा सो एक ओसर षँडेला सहर
का उद्यान मै आया सो षँडेला सहर मैरा जा षँडेला गिरराज करे गाँव १०० च्यार सै छे
लाके लागो सो एक अवसर एक लुगाई अग्नि भस्म करी हुई सो आर्त ध्यान सूं मरि जमा
घर पक्षी सो जाइ अंतरी नई वैकोतो निमित्त वैके क्रूर परिणाम की या अरु पृथ्वी का
जीवां को करम को उदो आयो तीं सं असाता घणी आई मनुष्य तिर्यंच घणा जीव ए
क संबंधी करम के उदै मरण कौं प्राप्त भया अज्ञानी जीव करम को विपाक तो जाणै नहीं॥ १

अरु चोरासी गांव का सारा एक गाहो इ षँडेले आया सो राजा पूतेक हता क्रूवा हेरा जनू देस मैं नु
पद्रवजा दाक्रूवो जदे राजा अरजस करी॥ अरे हो नहार हे विप्रीत बुद्धि जा की सो ब्राह्मणनै
बुलाउ ता भया तब राजा ब्राह्मण सं कह ता भया हे विप्र हो तुम श्रै सो कारिज करो जा
तैं देस का उपद्रव सांति हो या तब विप्र बोले हे राजन् तुम मन मैं इज्या करावो जा तैं उप
द्रव सांत हो सी तब राजा मान करी॥ अरजज्ञ कौं सारी सामग्री तइयार करावता भया तब
मनुष्य सोरण्यो चाहिजे गा सो॥ अरे तो मनुष्य हाथ लाग्या नहीं॥ और श्री जिनसेन आचा
रज जी पांचसै मुन्यां सहित चतुर्मास सो आथग्यो सा सारा ध्यान धरि दीयो तब श्रावक गांजा
णो जो॥ और मनुष्य तो हाथ लाग्या नहीं॥ और कदाचि श्री मुनि ध्यान धरया छै सो वानै जे
आवै तो पापी घोर लागे छै सो जटि श्रावक मुन्यां पास गया सो श्री जिनसेन आचा
रज जी सौं॥ अरज करता भया हे महाराज जि॥ अरे उपसर्ग वरतंत छै सो॥ आप श्रै गा सेती

विहारकरतातवमहामुनिजोगदिनजांनिजीवांकीरक्षाकैतांईउपसर्गआयोजांनिस
नाससहितधानास्टढकैतानयातवबांधानेधानास्टढजांनिमुनि१०७सोहोम्याजा
पकेअर्थिहोनहारहेनरककोजापोजिनकैकीयोहैघोरघोरपापजानैतवसोगुनोउ
पडवकैतोनयोसबनगरलोडिवनमैडेराकरतानयापछैवारावरसकोडुरनिचक
जपरतोनयोतिणापछैवैहीश्रीजिनसेनआचारजजीषेचसपरसकरमकानुदाक
रिजीवांकारछिपातवनमैगूढाकैनजीकआयातवगुरांकाप्रसादकरिचकैशूरदे
वीआयसहायकरतीभईश्रीरगूहामैशांतिवरतीजवआवातराजासुणीजबमह
मुन्यांकैपावांलागिनमस्कारकरतोनयोहेमहारराजिपृथ्वीघणीछोजीसोकौनपाप
कौउदोआयोतवश्रीगुरुकहतानयाहेराजनथारानगरमैंमुनिसौ१०७होम्यांतीपा
पकरिईतवपरतवविषैनरकगतिसंबंधीनानाप्रकारकाडुषभुगतिस्यौतवराजापा २

पसंडरतोनयोतवराजाश्रीगुरांकैपावलागिअरजकरतोनयोहेप्रभोअबअैसोउप
देसदीजैंकरिपापकोनासहोशतवश्रीगुरुकहताहेराजनाजिनधरमसरगमुक्ति
कोदाताछैतींधरमनैतुमअंगीकारकरतवबैयासीगवाकाछडीहाजरलाअर
गांवदोयकासकनारहाजरलासोतबश्रीगुरांकौउपदेशप्रमानकीयोतवगुरांचौरा
सीनैपीछीवरतडीनीसोगोत्रधाचौरासीकरवाफरलडीअरजकरीहेमहाराजम्हे
तोलडीकुलओरयेदोनूंसूनारसूडकुलातवश्रीगुरुकहीधर्मअंगीकारकीयोजा
तेसारडीवरावरितवगोत्रचौरासीकारक्षानिमित्तदेवीचौईसमातातवसौंदिहारीव
हरणईलडीवईयासीअसकनारदोयाअहणांतिचौरासीगोत्रस्थापनकीदासोउत्पेक
गोत्रतथावंसतथाजुतपतितथादेवीइसप्रकारवरणनकरिकैकहैछै॥ 〃 〃 〃
〃 〃 〃

	गोत्र व ध	वंस	उतपतिगाव	देवी
१	साहू	चोहाए	बंडेले	चक्रेश्वरी
२	पाटली	तूंवर	पाटलि	आमए
३	पपड़ीवाले	चोहाए	पापरि	चक्रेश्वरी
४	दोसी	राठोड	सेसलि	जमवाई
५	सेठी	सोरवंसी	सेठौल	पद्मावती
६	नौसा	चोहाए	नावसौ	चक्रेश्वरी
७	चादीवार	चंदेल	चौदवारी	मातलि
८	मोगा	गमर	मोगौल	औरानी
९	नरपत्या	सोरई	नरपत	आमलि

	गोत्र	वंस	उतपतिगम	देवी
१०	गाधा	गौड	गोधानी	नांदलि
११	अजमेरा	गौड	अजमेर	नांदलि
१२	दरडोद्या	चोहाए	गधिहो	चक्रेश्वरी
१३	गधिया	चोहाए	गधिहो	चक्रेश्वरी
१४	पाहास्या	चोहाए	पाहारी	चक्रेश्वरी
१५	नूछ	सोरईसूर्यवंसी	नूछड	आमलि
१६	वजे	सुनार	बंडेले	मोहलि
१७	राणराऊ	राठोड	बंडेले	मोहलि
१८	वजमहरया	सुनार	बंडेले	मोहलि

	गोत्र	वंस	उतपतिगांव	देवी
१९	पाटोदी	सूंवर	पाटोदी	पदमावती
२०	गंगवाल	कछावा	गंगवाणि	जमवाई
२१	पांड्या	चौहाण	पाडरीगूंधे	चक्रेश्वरी
२२	विलाला	गीमर	वझीविलावल	औरणि
२३	विनाइका	गहलौत	विनारल	चौथि
२४	वीरलाला	कुरवंसी	लाडुविलाइलंका	सानलि
२५	वाकलीवाल	मोहल	वाकौलो	जीली
२६	सौनी	सोरई	सौनाही	आमलि
२७	कासलीवाल	मोहिल	कासलि	जीली

	गोत्र	वंस	उतपतिगांव	देवी
२८	पांपल्या	सारई	पांपलि	आमलि
२९	सोगाणी	कोटस्यासूर्जवंसी	सोगानि	कनहड
३०	झांझरी	कछाहा	झंझरि	जमुनाती
३१	कटारया	कछाहा	कटारी	जमवाई
३२	बेद	सोरई	पावड	आमलि
३३	टुग्या	पवार	टोगे	पावाडी
३४	वोहोरा	सोना	वोडड	सीतल
३५	काला	ऊरवंसी	ऊरवंधोरी	लोहली
३६	छावरा	चौहाण	छावड	आरोली

	गोत्र	वंस	उत्पत्तिगांव	देवी
३७	लौद्रुपा	सोरई	देहज	आमलि
३८	लुहाडुआ	मोरवावंसी	लाहडु	लोसलि
३९	भडझाली	सोलंखी	भडसालि	आमलि
४०	दगडुआ	सोलंखी	दगरोदि	आमलि
४१	चौधरी	तूंवर	चौधरि	पद्मावती
४२	पोटल्या	गहेलोत	पोटल	चौथि
४३	दगडुआ	सौदा	गदीडु	श्रीदेवी
४४	संखुण्या	सौदा	संखूण	सलगई
४५	नोपडा	चंदेल	अनोपगढ	मातनि

४६	मूलराज्या	ऊरवंसी	मूलराज	सोनलि
४७	निगोत्या	गौड	नगोती	नादणि
४८	पींगल्या	चौहाए	पिंगल	चक्केश्वरी
४९	मूलेत्या	चौहाए	मूलनका	चक्केश्वरी
५०	वनमाल्या	चौहाए	वनमाला	चक्केश्वरी
५१	भरडका	चौहाए	अरडुका	चक्केश्वरी
५२	रावत्या	वीमरसोमवंसी	रावतो	आशोलि
५३	मोदी	वीमरसोमवंसी	मोद्यो	आशोलि
५४	कोकरोज्या	ऊरवंसी	कोकराज	सोनलि

	गोत्र	वंस	उतपतिगांव	देवी
५५	राजराज्या	कुरवंसी	जगराज	सोनलि
५६	छाहज्या	कुरवंसी	छाहडि	सोनलि
५७	डुकडा	वूजलवंसी	डुकडी	हेमादेवी
५८	गोतवंसी	हूजिल	गोतडि	हेमादेवी
५९	वोरखंडा	हूजिल	वोरखंड	हेमादेवी
६०	सरपत्या	गोहिल	सरपती	जीलीदेवी
६१	चरकण्या	चौहाए	चरकोनी	चक्केश्वरी
६२	सावड	गोड	सरवाड	नांदलि
६३	नगोद्या	गौड	नगद	नांदलि

	गोत्र	वंस	उतपतिगांम	देवी
६४	निरपोल्या	गौड	निरपल	नांदलि
६५	पीतल्या	चौहाए	पीतलगाव	चक्केश्वरी
६६	कलनांन	हूजिल	कुलनाना	हेमादेवी
६७	कडुवाग	गौड	कडवागरी	नांदलि
६८	सोनसा	चौहाए	सोनासका	चक्केश्वरी
६९	हलद्या	मोहिल	हलद्योनि	जीलीदेवी
७०	सोमगद्या	गहेलोत	सावद	चौथिदेवी
७१	वंव	सोढा	वावला	तकरारी
७२	चौवोस्या	चोहाए	चौरासे	चक्केश्वरी

	गोत्र	वंस	उतपतिगांव	देवी
७३	राजहंस्या	सोढा	राजहंस	संकाई
७४	अहंकास्या	सोढा	अहंकार	संकाई
७५	नुसावरी	ऊरवंसी	नुसावर	सोनलि
७६	मोलससा	सोढा	मालुश्र	संकाई
७७	नोगडा	दीमर	नंगड	आरोलि
७८	लहाडा	मोरवंसी	लोहड	लोसलि
७९	वेत्रपाल्या	वीजौल	वेत्रपाल	हेमादेवी
८०	राजनडा	साबिलोत	राजनट	सुरसती
८१	नवाल्या	कछाहा	सूराई	जमवाई

	गोत्र	वंस	उतपतिगांव	देवी
८२	जलधीजा	कछाहा	जलनवानि	जमवाई
८३	वैनाडा	दीमर	वनयड	आरोलि
८४	लरीवाल	सोढा	लरवै	आरोलि

इतिश्रावकेकेगोत्रवंसउतपतिदेवीसंपूरणंछा॥अथप्रतिष्ठाकीविधिमाहावीर स्वामीमुकूपधास्यांपछैकुंईसोलिष्यतोसंवता१९एकीसालिनहारकनावचंड जीकैवारैषंडेलामैसाहकल्याएमलकासलीवालकराईचोवीसीमाहाराजकीमू पयालाषा१०००००लाज्याप संवता२५कैसालिनहारकनमास्वामीजीकैवारैत्यां काकीयासूत्रजीनगरषंडेलामैसाहाराथमलरेवडमलदोसीप्रतिष्ठाकराईतां मैमूपयालाषा१०००००लाज्याप संवता१७कैसालिनहारकजसकीर्तिजीकैवा

प्रति ८

रिनगरबंडेलामेप्रतिष्ठाकराई।धासाहाटोडरमलटोंग्यातीमैंरूपयालाषाइध००००लाग्या
२।संवता१८७कैसालिभट्टारकजसकीर्त्तिजीकैवारैनगरबंडेलामैप्रतिष्ठाधकराई।साहा
पोहोकरमलपाहाडूरूपयालाषाइध००००लाग्याधसंवता१८७कैसालभट्टारकभानुनं
दजीकैवारैनगरलाडुएमैसाहाकोलसीप्रतिष्ठाधकराई।रूपयालाषाइध००००लाग्या
।संवता१८७कीसालिभट्टारकमाघचंदजीकैवारैनगरबंडेलामैसाहावीरमगोत्रीसा
प्रतिष्ठाकराई।इधारूपयालाषाइध००००लाग्याधसंवता१८७कैसालिभट्टारकमाघचं
दजीकैवारैगोकलसोनीगिरनारिकोसंघचलायोनगरबंडेलासौं मुनिआर्जिकाश्राव
गश्राविकातीमैंआतांजातांगेलाषइचअसवारीसर्वेकुंदीनीतीमैंरूपयालाषा००००।
लाग्या७संवता१८७कैसालिभट्टारकमाघचंदजीकैवारैगावलाडुएमैंसाहामहा
राजपापडीवालप्रतिष्ठाकराई।धातीमैंरूपयालाषाइध००००लाग्याटासंवता१७।

कैसालिभट्टारकविद्भुनंदजीकैवारैनगरआजमेरमैंवीरमकाजैमंदिरकरायोतथा।
वागकरायोतीमैंरूपयालाषाए००००लाग्यामंदिरसंगमरवरकापाषाएकोओरप्रति
ष्ठाकराईतीमैंरूपयालाषा७००००लाग्यामुकरडेलाषसोलैलाग्याअववोमंदिरकाजै
जीकीदरगाकुर्ईएसंवता१७कैसालिभट्टारकविद्भुनंदजीकैवारैगावलाडुएमैं।
साहासेदमलजावडाप्रतिष्ठाधकराई।रूपयालाषाइध००००लाग्याएसंवता१७६।
कैसालिभट्टारकमाघचंदजीकैवारैगावगंगवरुमैसाहाजसोधरगंगवालप्रतिष्ठाक
राईतीमैंरूपयालाषा७००००लाग्याएसंवता१८५कैसालिभट्टारकधरमचंदजीकै
वारैनगरबंडेलामैंप्रतिष्ठाकराईषडुगसंघगोत्रसाप्रतिमावकुतीमैंरूपयालाग्या
१०५धइध०००अतरालाग्या१संवता१७५कैसालिधरमनंदजीकैवारैनगरलाडुएमै
साहालाडुएरावप्रतिष्ठाकराई।तीमैंरूपयालाषाइध००००लाग्या१संवता१८८कैसा

लिनद्दारक अजैनंदजीकैवारैगांवलाडणमैंसाहलाहडलुहाप्रतिष्ठाकराईरधा
तीमैंरूपयालाषारध००००००लाग्पा१धसंवता८८पकैसालिनद्दारक अजैनंदजीकैवारै
गांवगोधाणमैंसाहगोरधनगोतगोधोप्रतिष्ठाकराईरधातीमैंरूपयालाषारध००००००
लाग्पा१पासंवता९०९कैसालिनद्दारकनरचंदजीकैवारैगांवलाडणमैंसाहपीरस
वालरसगोत्रपांड्राप्रतिष्ठारधकराईतीमैंरूपयालाषारध००००००लाग्पा१धसंवता९०९
कैसालिनद्दारकनरचंदजीकैवारैगांवबडीमैंसाहसोहलगोतसेगीप्रतिष्ठारधकराई
तीमैंरूपयालाषारध००००००लाग्पा१असंवता९५पकैसालिनद्दारकमाधचंदजीकैवारै
गांवपाटलिलौराकीसाहरोडुभाईपोएगोतपाटणीप्रतिष्ठारधकराईरूपयालाष॥
रध००००००लाग्पा१पसंवता९९९कैसालिनद्दारकमाधचंदजीकैवारैगांववैदोसाह
वीरमदासगोतवैदप्रतिष्ठारधकराईरूपयालाषारध००००००लाग्पा१९संवता१०५श

कैसालिनद्दारकगणचंदजीकैवारैगांवलाडणमैंसाहतूहोगोतअजमेरप्रतिष्ठारध
कराईरूपयालाषारध००००००लाग्पा२१संवता११०शकैसालिमैंफालस्यापाटणमैंमंदु
रसंतनाथजीकीप्रतिमाकीप्रतिष्ठाहूई२१संवता११०कैसालिनद्दारकभावचंदजी
कैवारैगांवलाडणमैंसाहकोलणसीगोत्रवनाड्राप्रतिष्ठारधकराईरूपयालाषचा
ईसारध००००००लाग्पा२शसंवता११२शकैसालिनद्दारकनाथचंदजीकैवारैसाहनै
सोवासीराजोरकोजातिवोसवालसाहडोतीकामाहाजननैंदागनीचैकाड्राओ
रतिलवदिवाईसोनैंसोसाहसिरकोहोयथेकजीनसिषरीदवाथेएकसिकोकास
पथादेवालाग्पोसोधोवतीकीदूसरीलागलुडवाईसोहाडोतीमैंवधैनहीचैतीही
नैसोसाहआनुसीषरामिदरकरायोरूपयाा००००००णकरोडलाग्पा२शसंवत
११धकैसालतेजपालवसतपालसोषतीकापगकाहूवासोनपतिपानीपतिका

LIBRARY

निकल्या जी पगपगनि धोनक्त्वा तत्र आबुसिषरे मंदिरकराये तीमैं रूपया को डुपंद
रा १५००००००० लाग्या ली का गुमासता का मंदिर ए२ वै आबुसिषरे वणवाया रूप
या एक एक लाष लाग्या घटसी लाग्या नही वको मंदिर सिषरे २ धा को विलोरका पाषा
ण को वणो २ धा संवत् १२२१ कै साल्लि महारक माहाचंद्रजी कै वारे साहा धनरा
जपोरवाल तीनैं चित्रावेलि पाई ती का पुत्र पंचा दे पुरची तो डुकारण सं कहीतु
मारे पास द्रव्य है सो आप कुकमकरो तो रणथुरमैं मंदिर वणवा जद्रालो वो त्यो कै
आप णे सीरमैं वणवो जद मंदिर जी को काम चलायो तब पृथम था बादे थ वणया
जी मैं एक एक था मा कै सिर एक लाष चउतीस हजार लाग्या तब रणो तो नकरणयो
जद आप एक लै वणायो चहुतरि सिषर को जी मैं पृथम वेदी का था मा न गण २
वणया ति नमैं एक एक था मा सिर एक लाष चउतीस हजार लाग्या सर्व एक वा थं मा ९०

२००० दोय हजार रूपया को वीजक करे डुर २१००००००० लाग्या २५ संवत् १२५० कै साल्लि
महारक महाचंद्रजी कै वारे टोडरमलजी भाई दोइ गोत साहावासी नाकणा का गु
वालेरमैं एक माहा जनकी वेटी कै लगनथा सो मामेरा कै समै भाई नही आणि पोहो
चा जी नेरो वती देखि धरमकी बहण करी भात दीनो सारा नगरनैं पहरयो अरण वालेर
मैं पृतिष्ठा करण धीरधा सारो मुंगर पृतिष्ठो गयो रूपया को डुएका १००००००० लाग्या २६
संवत् १२०९ कै साल्लि महारक माहाचंद्रजी कै वारे नगरषंडेलामैं साहा सेदमलगोत
सो गाणी पृतिष्ठा करा धीरधा तामैं रूपया लाष २ धा ०००००० लाग्या २७ संवत् १२०९ कै सा
ल्लि महारक महाचंद्रजी कै वारे नगर चादवडमैं साहा पोहपसंघवा कलीवाल पृतिष्ठा
करा धी तामैं रूपया लाष १ ०००००० लाग्या २९ संवत् १२१२ कै साल्लि महारक धरमचंद्र
जी कै वारे गडषंडारमैं मुंगर पृतिष्ठो गयो साहा वालू भाई वीसलगोत चादवालवा

गोतपाटणीतिननैसुप्रोसंवत१५१एकैसालिनहारकधरमचंद्रजीकैवारैगांवआवै
साहावेणीरामषीवसीगोतलावडापुतिष्णकरईरूपयालाष२५०००मीरचमण०॥लो
गाधसंवत१६५पकैसालिनहारकचंद्रकीर्तिजीकैवारैगांवडुडुमेसंगहीडालुरामवे
रामालजीकागोतनौसापुतिष्णकरईमंदिरपकरायासीमेडुडुमोण आरमोण चोरुमै
रकालरडामोणतीमेंरूपयालाष२०००॥लागपातीकावेरपोतामालावतसंगहीक
हावैशेष५संवत१६६०कैसालिनहारकचंद्रकीर्तिजीकैवारैगांवसांषुणीमैसाहामनी
रामसंगहीगोतदेसीपुतिष्णकरईमिंदरधासांषुणीमोण वांदरसीदरीमोणहरसलीमे
लांवामोणईनांतिमिंदिरवणायेपुतिष्णचारजागाकरीरूपयालाष१०००॥लागपा२
संवत१६६धीकैसालिनहारकदेवचंद्रजीकैवारैमोजावादमैसाहामानुजीसंगहीगोत
गोधापुतिष्णकरईसिषरतीनकोमिंदरमोजावादमैवणातीपुतिष्णकरईवाकीमि १२

दरा२सिषरवंधपूरवमैपातसाहअकवरकाकुंकमसौंवणातीकहाथीप्रधारकाक्त
वादामदामतीरथसंगचलायातीमेंरूपयाकोडिपांचप०॥०॥०॥०॥लागपापुतिष्णवा
मंदिरमैवासंगचलावामैलागपा२गसंवत१७१६कैसालिनहारकजगतकीरतजी
कैवारैचांदषेडामैपारसनाथजीकोमिंदरवणायोतीकीपुतिष्णकरईसंगहीकी
सनरंमजीनगोरवालनगवांननेहाथीकारथऊपरचढायाकोटावूंदीकामाहारावं
दोसौंआगानैसनामैंपंचासामिलचालनहारकारणजतीमुनीअजिकावृंदचा
रीपंडितसगलाएषगहूवादोयस्वेतांवरजतीगुजरातिकाआथालाजांरथवंध
कस्यातवविनाहाथारथमेरसमानचालतताहूवारूपयालाष१०००॥लागपाजव
मुनिराजदिगंवरआमनायकाधणएकगहूवा२पसंवत१७१६कैसालिनहारक
जगतकीर्तिजीकैवारैगांवकारवरहोतीमैंसाहासोनपालनावडाडोडारथसं

घकाचोधरीपुस्तिष्ठाकरईतामैंस्तूपयालाषा१०००००लाग्पाइ५संवत्१८२४केसालि
नभट्टारकदेवचंद्रजीकैवारैंगांववासषोरमैंसंगहीहीरदरगजीलूहाड्यापुस्तिष्ठाकर
ईजैवैजतीमुनिरगजवूलचारीकेतायकनैलाक्तवास्तूपयालाषा१०००००लाग्पाधए
संवत्१८२६केसालिनभट्टारकसुरेंद्रकीर्तिजीकैवारैनगरसवाईमाधोपुरदीवाणसं
गहीनंदलालगोधापुस्तिष्ठाकरईस्तूपयालाषा२५०००लाग्पाधएसंवत्१८५२केसा
लिनभट्टारकमंडलाचारजीकैवारैनगरश्रजमेरमैंसेठधरमदासजीतगंगवालवास
कीसनगढकापुस्तिष्ठाकरईस्तूपयालाषा१०००००लाग्पाधएसंवत्१८६९केसालि
नभट्टारकसुषेंद्रकीर्तिजीकैवारैनगरसहरसवाईजैपुरमैंदीवाणसंगहीरायचंद
जीछावड़ापुस्तिष्ठाकरईश्रामेरजैपुरकैवीचमिंदरसहरमैंचणयोमरदलुगाथ्यो
कीजातिजैन्याकीजीमणवारदीनभलीभांतिपुस्तिष्ठाकरईस्तूपयालाषा१०००००लाग्प
धएइतिपुस्तिष्ठासंपूरणं॥

इतिपुस्तिष्ठाविधानंपूरणंछाश्रथचोरासीगोत्रश्रावककीजातपतीलिष्यतेदोहातीर्थं
करचारैप्रथमजैनधरमश्रधिकारचरणआरिमैंसकलजनापालतकरतविचारणश्रा
गमसंतोरीतिइहाश्रईचली श्रमानवर्द्धमानजगएमुगतिजाकनएश्रोरगतिगानाश्चंद
पद्मडीवरधमानपधारेमुकतिथानातापीछैषटसतवरषपूमानतासीसतीयासीवर
षजानाश्रपराजितनामामुनिवषंनिशजिनसेननामाइकमुनीदसोजणएकसंव
तसकलंदसकदमाघपंचमीकरिविहारचनिगएमंडलैहकतविचारधवनकीधतपस्प
दिनकितेकमुनिसंगपंचसतयुतविवेकमुनिसवमिलियहकीनोविचारइहगम्
उपजिहश्रवविकारफमुनिजनएधानमैंसावधानदिहगहोहिरदैजिनाजैनपानो
मंडैलैराजागिरषडैलाचोरासीषेडामापुस्तिदलेलाधसकषवसतसरवनिजनिजसथा
नासवगकुरधरमपसाचधानदोयगवांगकुरनहीकोयावयासीगकुरमिलेसोयाश

वापरी मूल्युजनदहौगयाविपरीतिजुवीइहतासमंहिनृपतबनुलायेविप्रदेवाविइतंतक
ह्योसबबोलनेवाग्यथाकोअवकरिएकोविचारद्विजकहोसांचसबसमंचारद्विजतोले
इहवांणीविसाजानरमेधाजग्यकीजेनृपालाणतासेइहमिटहैसरवदोषसुजासुष
पावैसरवपोषतवकरेआपनृपसरजामाइकसहंसमनुजेसतमुनीतामाएंअन्नमे
वासामगरीअपारासततकालकीयोजग्यकोविचारद्विजकरतहोमनिसिदिसअषंड
मुनिमेवासहितमुनुजविडारणतवनयोनृपइवअतिअपारजिनसेनधानदेकरि
विचारचकेश्वरिजगवतिकरतजापजासेइहमिटिहैसरवपापारजिनकेवस्नाप
नकरेजासामिटगयोमूल्युजएसवत्रासानृपसुनिवंदनआयकीनासवकहीवातदुष
बुधिपूवीनाश्इहभयोनृपइवकौनपापामुनिकहोसत्यविरतंतआपामुनिकही
एकसतमुनिपूमानाकरिहीयेहोमविघ्नआपनाधातासेइहमोटोभयोपापइह १७

सुनोकांनदेनृपतिआपासवपाएिजोडिनृपपूएतिकीनामुनिपाएपडोआतिहोय
दीचापाअवमुनिवरजाविधिमिटैपापकरिहुपाआग्याकरोआपामुनिकहीनृपति
सोधरमजैनाजुंपावैसवहीपूजाचैनाधचोरासीगकुरसरवआयामुनिपीछीदीनी
सिरफिरायाजुगअसीनयेरजपूतजैनादोयसोनीतिनमैमितेश्रेनामितिअसीचार
नईपगटजासातादिनतेश्रावगभएतासागदोहाइहचोरासीजातिकोसवश्राव
गकीजानिइहविधिसंवतएकसोमुनिवरकहीवखानिएगगेतोत्पतिदेवीसकवंसा
चारवातपरमंनासरवश्रावगकीसुनौवुधजनसरवसुजानाएसाहजातिसबज
गकहतासोभएवंसचोहाणकुलदेवीचक्रेसरीनृपतिखंडेलैथांनारणसवरगोतभए
पाटणीपाटलिनृपतिपूमानाकुलदेवीआमलिकहतजानतसकलजिहांनारणकहे
सवंसचोहाणकोजातिपापझीवालापाषडिकीनृपतिकहताचकेसरकुलचालारे

DR BHAU DAJI

दोसीवंसगणेहुहैतपतिदोसलिगावकुलदेवीचक्केसरीनोधंरुजाकोनावरुसेगीसो
रवंसकेतपतिसेगेलावकोसिलपद्मावकुलसकलोचितजिनपूजाचावरधावंसा
चोहाणसानावसातपतिनावसेजांनिजिहकुलदेवीचक्केश्वरीबुधजनकहतव
धांनिरुपावांडुवाडचंदेलहोमातणिदेवीनांमावंदवाजीतपतिहैजपतजिनेश्वरनां
प्रारदमोगुगीमरवंसकेतपतिमोगुगावजाकेकुलमरजादकीदेवीओरलनाव
रुगोधागेलागोरुकुलनादणिदेवीनांवातपतिजाकीकहतबुधनिजगोधाणे
गांवारुनअजमेरावंसगोरुकोनांदणिकुलकीमातानअजमेसोतपतिकहतासव
जगकहतविख्यातारुएदरडोमाचकुंवाणकुलनादरडोडीयनिकासजिहदेवीच
केश्वरीजिनसेवाहतजासरुणगदीद्याचूडीवालजुगवंसकहतचौहानाकुलदे
वीचक्केश्वरीगदीहुगांवसकथांनारुएपाहाम्यावंसचोहाणहैतपतिपाहडीगावो १५

कुलदेवीचक्केश्वरीनजैजनगवतनांवरुरनुंजवंसकेसोरवीगुगावनुंजडोथांनाअमए
कुलदेवीकहतबुधजनकरतवथांनारुकुलसनारवजअमएगतपतिखंडेलेथान
अमएकुलदेवीकहोजांनतसकलजिहांनारुधाहैसनारवजमोहएगतपतिखंडेले
गांवाजाकुलकीपूजालहताअमएदेवीनांमारुएसोदारुरारुवकाशीरेनगरसथां
नाकुलदेवीओरलकहताजानतताहिजिहांनारुधपाटोधीतोवरकहतापाटोधेत
तपतिजाकेकुलकीजगकहतदेवीपद्मावतिारुगकुलाहागंगवालहोकाटीवा
लकुलाहतपतिगंगवाणेनगरकुलदेवीजमवायारुनजिथरिथाचोहाणकुलातत
पतिजीथरेगायाकुलदेवीचक्केसरीजगतवतावतनावरुएसोनीसोरवंसकेतप
तिसोहनेगंवजाकेकुलकीदेवताअमएदेवीनांवाधणवीमरवंसविलालकुल
चमीविलालीथांनाओरलजाकीदेवतावंदतबुधसकपांनाधरुकुरुवंसीविलाल।

ऊलालघुविलालीगंवाजाकुलसोनिलदेवताजगतवतावतनांवाधरकुलगहलोतविनाय
क्यावविनायस्योसकथांनाचोथिमातकुलदेवताजिनमतवचनप्रमांनाधरमोहिलवाकु
लीवालकुलागांमवाकुलथांनाजिहकुलदेवीजीएहोमांनतसकलजिहांनाधधर्मो
हिलकुलतैहैप्रगटासाहकासलीवालाथानकासलीनगरसकलजेहलकरतनिहाल्ला
धपासोरठकुलकेपांपल्यागांमपांपलोथांनाग्रामएकुलदेवीकहतापूजाकरतप्रमांन
धधासोगणीरविवंसकेसोगणेसकलथांनाकोटेचीदेवीकहतजानैधरमसकृपांन
धरभवौपईकुलाहाकरीकहावैकाकरीगांमनिकासवतावैकुलदेवीजमवाय
पूजावैप्राहाजनकैगजगतवतावैधनकुलाहासुंनयाकटास्याकुलदेवीजमवा
यपूजास्यागांवनिकासकटास्योकहिएनेदनावयामैसवलहिएधणसोरठपां

ल्यावैदकहावैकुलदेवीग्रामएपूजवावैछतपतिगांमपांवकैजानुंजुगश्रावगकी

जातिपिछानुंभणैसोगणगोतपवारछपनाकुलदेवीचांवंडपूजनांछतपतिटोगेगांयवता
वैधर्मजैनकुंनिसचेधावैभणवोहरासोढावंसकहावैकुलदेवीसैतलिमनावैछत
पतिवोहरेगांयवतांईतासेवोहराजैतकहांछपराऊरवंसीसोवाजेकालाकालवा
कीसंछतपतिचालाकुलदेवीलेहणिकीपूजाकालाश्रावगश्रीरनहूजापश्कुलचे
हणलावकाकहावैचकेश्वरीदेवीऊधावैगांवतलावकैछतपतिजाकीजातिजाव
काकहिएताकीपधासोरवंसलोगपावतावैलोगपेगांयनिकासकहावैकुलदेवीग्र
मणपूजवावैजायेपरणेजातवुलावैपपामोरवंसलुहाप्राजानुंछतपतिगांयल
होकैमानुंकुलदेवीलेसिलपूजवावैजासैलाभलोभवकुपावैपधनेडसालीसकना
रवंसानुंतांकीदेवीग्रामएजानुंनकैसाल्याकीछतपतिजाकीजातिभईभंकसाली
लाकीपग्रसोलंथीसोदगकाजानुंसुरदरदोदनिकासपिछानुंकुलदेवीग्रामएसोक

हिणरिद्धिसिद्धितासैफलहिणपत्तौवरसंघेधरीकहावैचेधस्येगंमनिकासवतावै
कुलदेवीआमणपुजवावैसोदेवीकुलहदिवधावैमणदोहागोटलियागहलोतकु
लगंवपोटलेनिकासाकुलदेवीपदमावतीपूज्यापूरणआसाढ़ीसोढावंसगिंदोमी॥
थगंवगिंदोहेथांनाकुलकीदेवीचेथिकीपूजाकरतपुमानद्दएसांधुएगंचंदेलकुल
सांधुएपुरवासाश्रीदेवीकुलदेवतासाकीपूरेश्रासाद्दसोडावंसअनोपमअनोपमे
सकथांनासकरायकुलदेवतापूज्यांसिधिपुमानद्दशगोत्रनिगेत्याकहतसवनिगो
तियेनिकासामातलिकुलदेवीकहतापूज्यापुन्यपुकासाद्धपंगुलियाचोहाणकुला
पंगुलिएश्रसथांनाकुलकीनिंदलिदेवतापूज्यारावैमानद्दभूलणकुलचोहाणको
भुलणीयेनिकासाकुलदेवीचक्केश्वरीपूरैमनकीआसाद्धवनमालीचोहाणहोवन
मालीपुरथांनाचक्केसरीदेवीकहतासाहीवधारतमानद्दशचोहाणसंपीतलासंतप १७

तिपीतलयेगायाचक्केसुरिपुतापसंरिद्धिसिद्धिघरमांहिहएश्ररुकीयाचोहाणकुला
श्ररुकीकीएश्रस्थानाकुलदेवीचक्केश्वरीपूज्यापावैमानद्दएहीमरकहिएवत्सा
उतपतिरोवतेगंवामातदेवीचक्केश्वरीसोमवंसकेमांहिशोमोदीगीमरवसकेउ
तपतिमोदेगंवाकुलदेवीश्रोरलकहीधरमीजैनकहाइशएकोकराजकुरुवंसके
कोकराजपुरवासाकुनिदेवीश्रोरलकहीपूज्यापुरैश्रासाशरावौपईजगराजाकु
रुवंसीजानुंसोनिलदेवीवषाणुंजगराजेपुरउतपतिजाकीजातिभईजगराज्या
ताकीशरूमूलराज्याकुरुवंसीकहिएकुलकीदेवीसोनिलहिएमूलराजपुरउ
तपतिजानुंनिश्चैधरमजैनकरिमानुंधाजाहूरुसोकुरवंसीकहावैसोनिलदेवीम
तपूजावैएंमलाहूरेउतपतिजाकीजाहूरुजातिभईयुवाकीशपूंछुकरादुजिल
वंसकोताकीसोनिलमातएंमहुकडोजासकौउतपतिकहीविष्णाताद्धंशेतम
वंसीदुजिलजानुंशेतकियेउतपतिवषानुंकुलदेवाहेमाकुंमानुंनिसचैजैनधर

मनहीलानुंछ्ठाकुलनाएपासोडुंजिलकहिणकुलदेवीजिहहेमाचहिएछतपतिग्रांमक
ह्योकुलनाएपोजैनधरमनिसचैकरिमानुंछपूंवोरयंकियामुंजलावोरयंकपुरवा ॥दोहा॥
साहेमादेवीहेतकरिपूजापूरैआसाएसकरयतामोहिलकहाएकरयतिगांयनिका॥
साजीएमातपरमेश्वरीरिधिविरधिकुलतासाएचिरकन्याचोहाएकुलाचिरकनेगं
मनिकासामातजासचकेसरीधर्मजैनपरकासाएसोरठवंसनिगदियानिगदेगां
मनिकासाऊलदेवानांदलिकहीवासवपूरैआसाएचौपईगोहवंसनरपोत्पाजा
नुंनिरपोलेपुरछतपतिमानुंमातानांदलिदेवीजानुंजैनीजिकेसाचकरिमानुंछअस
रवाम्यावंसगोहकहावोसोसरवाहिनिकासवतावोनांदलिदेवीमातपूजावोनि
सचैधरमजैनकुंध्यावोधाकहवागरसोगोहवतायानांदलिदेवीमातपूजायाक
हवागस्योथांनहैजाकोनिसचैधरमजैनमतवाकोछपूंसांभरियाचोहाएकुलासां ॥दोहा॥
मरिजासनिकासाकुलदेवीचकेसरीआरहंतपूजपूकासाएहलद्यामोहिलवंस २८

केछतपतिहलद्योगांयहेतमातचकेसरीरिधिसिधिघरिमाहिएवंववंससोडाकहु
तावंवालीयेनिकासाऊलदेवीसकरयकुंपूजैपेमपूकासाएचोवास्याचोहाएहै॥
पुरचोवासेवासमातजासचकेसरीघरदातानईतासाएराजहंस्यासोडाकह्याछत
पतिराजहंसगांयाआमलिदेवीमातकुलविधजनकरसवषांनाएगगसोडावुधज
नकहोगगाणीयेनिकासाआमलिकुलकीदेवतावहोविधिपूरैआसाएछअहंकास्या
चोहाएहोअहंकारीयेसकथांनाकुलदेवीसकरयहेपूजनकीथांपूमांनाएरानसाव
कऊकवंसीकहोगांवनसावकवासाकहीकुलकीदेवतासोनिलकहिएजासाए३१
सोलसस्यासोडाकहंतासोलससेछतपतिकुलदेवीसकरयकुंपूजैधावैनितिएध
गीमरवंसीनागम्याणांमजागमेवासाकुलकीकहिएदेवताओरलदेवीजासाएपालो
हटसोरवंसकेगांयलोहटेनिकासाताकेकुलकीदेवताओसिलपूरैआसाए६॥

चौपईछंदजिनवंसीखेतरपालस्यखेतरपालगांमनजाल्याहेमादेवीमालवधनुंनिहचै
अरहंतदेवपिछानुएगुरुजनहियासांथलानदेरागनिकासाकरसतिकुलकी दे
वताममनकीपूरैआसाएचौपईछंदकुरमवंसनुवाल्याकहिएगांमनुखालिएजतप ति
लहिणाकुलदेवीजमवायपूजावैधरमजैननिहचैकरिधावैएएजलवाएकुम
वंसीजानुंजलवाएनिकासवधानुंकुलदेवीजमवायकहावैमंत्रसिधिनोकार
जपावैएएवेनाडीकहैगीमरवंसीविनावफिजतपतिअवतसीकुलदेवीओर ल
कुंधावेपूजाकीयांरिधिकुलपावैएएलटीवालसोडासोजाएजाकुलकीश्री दे
वीवधाएंजतपतिजाकीलटवेकहीजैनधरममानेकरिसहीएश्दोहासोरठ वं
सीनरपत्याजतपतिनरपसेगंयालाकीआमणदेवताराहिसिद्धिघरिमांहि१७श
जोडुगोतकालोसत्याजतपतिलोसिलगंयाजमवायकुलदेवताजामैसंसैनां हि॥ १९

१७धकहतबांदस्यासांथलागांवबांदसेनिकासकुलकीमातलिदेवताराहिसिद्धिदेता
सा१७सोडाविरत्यावंसकाविरत्येगांवसथांनताकीसोनिलदेवताजिनमतवचनप
मानाएएहचौरासीजातिकेसरावगकीजतपतिवंरुबंकेलैजपनीस्थाजपालैनिति
१७ अगरासेपचासमेसंवतकीमरजादस्यावलिसुदिएकादसीसूरजवारघननक्ष
१८पंडितईसरदासकेजईजमनमैचूंपजातिगोतकोभेदसवदेष्योसास्त्रअनूपा१९
दोहाचौपईकरिपुगयाजाधारचीसकगमापदतांसकलताकलजनामावैबुधिअगमा
१७१इतिश्रावगगोतचौरासीजतपतिसंपूरणंछाअथसज्जनचिनवत्रनंकीकालु
प्तेश्रीमत्रीषेणआचार्यकहैछेअहंसज्जनचीतवत्रनंगूंथनाम्नासात्रंछेकह
तांलंमद्विषेणसज्जनचीतवत्रनंगूंथहैनामकरीकेसंक्षेपथकीकहस्युंकस्योकछे
गूंथनभजीवांकौज्ञानकोजपजावणहारछेतिहेतीहेसंतजनछेतेसकणोकाहीक

रकेकहसुंश्रीमहावीरस्वामीनैनमस्कारकरिरकस्याकलैमाहावीरस्वामीतीनजग
तकागुरलैमुक्तिजतदमीकावहत्वनलैकामदेवकावाणकाक्षयकरणहारलैसंसा
रकादुषकाहरणहारलैएजूंचंद्रमाविनारात्रिनसोनैलोकमलोकासमूहविनासरे
वरनसोनैमंडितलोकांविनांसजानसोनैदंतविनांहस्तीनसोनैवासविनांफूलनसो
नैनरतारमस्याथकास्त्रीनसोनैसूंहीमुनिशास्त्रकोजाणहोयीतोनीचारित्रवि
नांनसोनैश्नोसाधोकोईवस्त्रमात्रकात्यागयथकिहीमुनिहोयलैनहिजूंकांचली
रहितसर्पफूत्वोतोविषरहितफूत्वेनहीतोतपकोमूलकाईलोहमालैइंद्रियाको
जीतवोलैसांचलैसदाआचारवानलैअरजोरागादिकोमूलधारैलैतोमुनिनक
हीजोसोगधारीकहीजैशनोनीहोमुनियनिकहतांज्योथारेचितविषैधनकीवांछ
लैतोदिक्षाकाधारवाकरीकैगरजकांईफूलैअरुथारांईनग्नरूपसुंग्रहस्त्रीको २०

स्वरूपकांईवूरोमानैलैतूंतीसंतोकूंइमग्रहणकीवुधीयोग्यनांहीधानोनीहोक
हतांहैनोसाधोतूंपरघरविषैविनाकरायोनिधिआहारलुंजीदर्शनज्ञानचारित्र
करीसोनमानआतमाकोंपवित्रकरणेवालामुनिराजकेसाथेस्त्रीनपुंसकपसुर
हितस्थानेसदारहवोएहतोकूंयोगलैनाहैसाधोथारोमुंडरुंधलैथारोसरीरम
लविणदिकोगृहलैतोकांकरिकैतूंअधवलामडासरीखादीसैलैतोपणिभी
तोकूंस्त्रीजनसाथगोष्ठीमिलापरुचैलैकूं॥एतोकूंयोग्यनहिलैग्रहेमुनिथारोशरीर
मातारुधिरअरुपितांकांविजैसूंतोउपज्योलै अरमेदहाडमीजिसूंनस्योलै॥
अरुवारेमाथीकीपांपसरीषाचामसंवेदीयोलैकादिकरिनथवाजोग्यलै श
रीरनैनिहिचैहोयलैअस्थासरीरहैदेविरथारोदेहरूपीघरविषैथारेवैराग्यभाव
कूंनहिलैछाएसाधोस्त्राकाहवभावविलासकटाक्षगतिहैदेविकरीतूंलगारही

रागभावआणेमति कुसाकलेस्त्रियांकाविलासविषदृष्टकाफलसरीकालेषातो
मीठापालेपूणहरैयोडासासेवनथकिहीपुरषांकोमरणदेखेतोथकिदृष्टिविषसर्प
सरीषाजाणिदेषतांहीविघूकारखजाणिरहूरथकिहीजेडिस्त्रांकाहावभाव
देषेमतिपाहेमुर्षजोजोवांछैसोसोंहीईसरीरकेअर्थीदोषतैपोषोपालोतोभीथ
रेसाथेनजावैतोमित्रादिकसूजावैअरपुण्यपापएहोकुहीथारेसाथेजावसीतं
थकीशरीरादिकविषेतूलगारमावनीमोहकरेमतिएएसाधोअगईसनेदमू
लगुणसाधूकातैदेवगुरुकीसाखिकरिआत्माविषेधारिकितेककालपर्यंततैपा
लाअवतूंएदृष्टांतहैजीतवातादिकसूदूर्णेथकोछोडुवोचाहैछोसोजोएभांहीजी
कोदृष्टांतदृलडीकुवोथकोघणेक्षुधापीडानहुवोथकोआपहीकस्यावचनहेकादि
नहुणकरैतोसर्वथाहीनकरैनहुणाएहेमुनेवोराकादेहनिरोगसषीदेषेअर २१

थारोदेहसरोगादिकदेषिअरतूंसषवांछैछैसोतैंपूर्वनवविषेअसोकांईदानकीयाछै
तीसूंतूंसर्वसषपावैअरुजोतैंकीयोछोसोवृथाआयोविनाकीयापावैनहींजूंवि
साणविनावाथाधान्यपावैनहींलोकविषेअैसीजांणिकरिकीडाकाषाधासंगस
रिषादेहविषेवृथाहीमोहकरैमतीसषचाहेमतीरएहेनिक्षोजीवेलांकमंडलहा
थमैलेईनिक्षाकैअर्थिपरयाघरेभ्रमतांथारेमांनअपमांनआयोनहीतोअवेता
पसवृतीथकीउदूषनोरसादिभोजनथकीरतदिनकूंसंतापकरैछैमुनिश्वरांक
रिकैक्षुधादिकथीउपजीवाधानिश्चैकुर्धीसहजैछैसोकल्पाणकेहीअर्थछोरएहे
थतेजूंविनानाथोएकलोवेलआपकीईछासकफिरोसूंहीतूंआपणासंघाटूंछो
डिकरिस्त्रीजातमाहरमैछैफिरैछैएकलोअरुजोथारेविकारविषेअभिलाषनै
छैतोनिरंतरएकलोअवस्यकार्यविनाकूंभ्रमैछैअरुसदाआचारसहितसा

रागभावआणेमति कुसाकलैस्त्रियांकाविलासविषइंद्रकाफलसरीकालेषातां॥
मीठापालैपुणएहरैथोडासासेवनथकिहीपुरषांकोमरणदेलैतीथकिदृष्टिविषसर्प
सरीषाजाणिदेषतांहीविघूकारषजाणिरहरथकिहीलेडिस्त्रांकाहावभाव
देषेमतिपरहेमुर्षजोजोवांछैतौतौहीईसरीरकेअर्थीदोषतैपोषोपाल्योतोभीथ
रेसाथेनजावैतोमित्रादिकसूंजावैअरपुण्यपापएदोजुहीथारेसाथेजावसी तं
थकीशरीरादिकविषैसूलगारमाचभीमोहकरेमतिएएसाधोअगईसनेदसू
लगुणसाधूकातैदेवगुरुकीसात्विकरिआत्माविषैधारीकितेककालपर्यंततैपा
त्याअवसूंएतांदृष्टांतहैशीतवातादिकसूंदूर्योथकोछोडुवोचाहैछासोजोगभनांहीजी
कोदृष्टांतदृलडीकरवोथकोघणोक्षुधापीडानहुवोथकोआपहीकस्यावचनहेकादि
नहुएकरैतोसर्वथाहीनकरैनहुएाएहेमुनेवोरकादेहनिरोगसभीदेषैअर २१

थारोदेहसरोगादिकदेषिअरतूंसषवांछैछैसोतैंपूर्वभवविषैअसोकांईदानकीयाछै
तीसूंतूंसर्वसषपावैअरजोतैंकीयोछैसोभुगत्यआयोविनाकीयापावैनहींजूंवि
साएविनावाधाधान्यपावैनहींलोकविषैअेसीजांणिकरिकीडाकाषाधासांगस
रिषादेहविषैतूंथाहीमोहकरेमतीसषचाहेमतीरहेनिक्षोजीवेलांकमंडलहू
थमैलेईनिक्षाकैअर्थिपरथाघरेभ्रमताथारेमांनअपमांनआयोनहीतोअवेता
पसहतीथकीन्दूषानोरसादिनोजनथकीरतदिनकूंसंतापकरैछैमुनिश्वरांक
रिकैक्षुधादिकथीउपजीवाधानिश्चैकुर्यसहजैछैसोकल्पाणकेहीअर्थछैएहे
थतेजूंविनानाथोएकलोछैलआपकीईछासकफिरेसूंहीतूंआपणासंघाष्टूंछो २क
डिकरिस्त्रीजातमाहरमैछैफिरेछैएकलोअरजोथारेविकारविषैअनिलाषन
छैसोनिरंतरएकलोअवस्यकार्यविनाक्यूंभ्रमैछैअरसदाआचारसहितसा

धूलन मांहे क्यूं नर रैजै अरे ना तो निरस कुत्सित आहार मिल्यां तूरो सकरै जै सो तो मौ
नली यो होय अथवा धणी होय कण यो होय तो रोस सं चोली थकी मुनिश्वर एं कि कै तो
जो आहार ना त्रा विषै मिलै सो ही आदर थकी नो जन कर वो जोग पजै अरे नारी ली य
घर सरीखा देह कौं तूं पुष्ट वृद्धा ही मति करै यथा जिहां तांई नाडेली यो मरजादा करि रते
तो मरजादा पूरी हुवां घर को धणी नाडे ती हो इण नारी हवा दे वै नही अर घर को अग
र को ई काम को नही तूं ही तूं इ सरीर कौं पोषै जै रागरूप लि थि ति पूरि हवा काल
जै सो समथ ना अधिको रहवा न देसी ए धा लोक विषै पूण यो गे इम पाय धर मदन
विषै जगाई सके नही अर जे दरिद्र पीडित हुवा का मि विषय की आसक्ति जै डै नां
हि अरु जे भगवंत ना त्रा ली त चारित्र धारी कै तां विषै अना दर रहै तो तां को जन्म नि
रर्थक गयो जूंजालीके गले वो वा दूध का नी नही मूत का नी नही ए पहे मुनेयो देह २२

यां नो घार करि कैं वहतो दुर्गंध जै सो तां दै दे प्यां थ कि ही जी का चित विषै जो वि स्तु ना
वन ही तो तीं का वैराग्य को कारण संसार विषै इ रव स्तु कि स्यो जै सो कहते अर यो सरी
र कि स्यो जै चो रु चंदन कस्तूरी आदिक सुगंध वस्तु जी कै लगा यां थ कि ही दुर्गंध पणो
है कहे जै जण वै जै तां सं देह सकाय दुर्गंधा को कारण कां ई ना नही ए असंसारी पुरष
कै घणी प्रयस्त्री हो इ जै सो मरि जावै अर घर मै इम घणो होय तो शोच नी करै नां ही
अरु जो धन न होय तो जो वा कूं याद कि रि कै रि कै रि रु दन करै ए णि ते नी तीं का
दहन की या कस्यां पाजै आप आप का आपार चिंता मैं लीन हो ज्यै अरके तेक वर्षा के गा
यां पाजै तो कां ति स्त्री का ना म ही दै वी सरि जावै इ स्यो संबंध जाणी वैराग्य ना हे मग न
रहो ए न रहे देहि नु ओरां को तो मरण गण ते तथा को आप कौं सदा ही अमर पणो गणै
तो थ को चिंत वै जै अरु इंद्रिय रूप हस्ती त्यां के वसि हुवो थ को सर्व घ नूमै जै अर
काल आजि आ वसी के काल्हि आ वसी ई सी ज्ञा न थ की जाणे जे जै सी थ की जिनेंद्र

नाषित आत्महित वेगही करिए एहे साधो साधुजन काल रूप संसार का विछेदक
र वावाला ए छै ते कहे छै देह विषै ममता नावर हित होया गुरु विषे विनय नाव होय नि
स्ही ज्ञान को अभ्यास नाव होया चरित्र विषै उज्वल नाव होया मोह को उपसम नाव
होया संसार थी नी वेराग्य नाव होया अभ्यंतर का अरु वाहिर का परिग्रह का त्याग ना
व होया धर्म्म को जाण पणो होया सज्झन पणो होया यां नावां सूं संसार जाल को विछेद हो
या सही रूणे हे देहि न मनुष्य जाति पाया उत्तम कुल पाया रूप पाया निरोग पणो पाया बुधी
पाया पंडितां की सेवा पाया जिने इ नाषित चारित्र पाया करि लेणा नथ की धन का पूर्ण का
रण करिके थोडा सा रूपये के अर्थि गुण रूप नरी देह रूपी जिहाज कूं थारी कांई नाजा
वा की इच्छा हो तो कौण नाज वो योग्य नां ही रूणे हे यते वेला लघु पेत को सो आर अधवला
न डा सरिषो अस्यो थारो रूप हो देखि र ज्या स्त्री के नयन हो य छो अरु थारे साथे साम्ही
बोलै छै मण करै छो तो तूं यूं जाणिजे ए पृथ्वी उपरे स्त्री न छै मलिया रूप सी छो मोह न रूप २२

एक रवा आई छो अैसी मान करि मरण का नय थकी ति हांथी नाग जा वजै ति हां तूं रूप
मात्र नी रहै मति रूपी हे मुने तूं स्त्रा का घर विषै घणो मति जावै जो निरंतर जावै गो तो वि
स्वास पणा मे संदेह पडै गो अरु अविश्वास मे लोकां वादनिंदा हो य गी तो थकी पुरु
षार्थ साधक वृति सिद्धि न हो इ नी सकै तूं गुरु वचन चित विषै धारतो थको स्वाध्याय पवन
पाण विषे रत रहै अरु ज्यो तूं फेरी विकार हो पावै छै तो तूं ही रूप विनास हे पावसी १
२२ हे साधो ई सरीर हे सुंदर वस्तु सुंपोखतां सत संस्कार करतां शृंगार करतां कांई के शरी
र मई विष्ण हो य छो अरु निरंतर जल सूं पषालतां कांई पवित्र हो य नही कै तो सु
नषदंत मुख सरीर को मंजन शृंगार तने करिवो योग्य नां ही तो सुकृत सी वात म
ति करो नि र्वंछक भी मंडन शृंगार करै छो रधो हे देही नूं प्राणी को आयु र्बल जेतो हो य
छो तो ताम आधो नि द्रा मे गत हो इ छै बाकी आधो रह्यो जी मैं ती न भाग छै एक भाग तो बाल
पणा मे गयो अरु भाग तरुण पणा मै गयो भाग सेवा थकी जाय छै ती सरे भाग जरा करि

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017

कैहू वस्तु विषै जीव सीं असी यारी आतमा विषै निश्चै करणै अवही ज्ञानरूप खड्ग
करी मोहरूप सकौ छेदि अरमुक्तिरूप रोमांच मान स्त्री कौं वसि करणै अरु मनोज्ञ चारित्र
हैं तौ हैं आराधी रूप्यो सज्जन चित्त वल्लभ नाम ग्रंथ मह त्रिषै जी को कहयो छै जो मैं मनो
रंजणै अर्थ तरक रिकै सहित चोई सकाम छै अरु यो ग्रंथ हैं जे पंडित छै ते सकल करि
आपका इंद्रियरूप मदोन्मत हस्ती तांई हेउ इष्ट हैं विषयरूप णी अटवी नु जा की वनरा
ई विषै नू मतांध कारो को थांनो कि से अर्थि संसार का विछेद के अर्थि जै धर्म चरचा हैं।
करणि करी श्रधा करि पुनीत करि थिरा धान करि शुद्ध चित्त आनंद कौ जाणी करि पाचौं इं
द्री मन हैं विषय विषसूं रोकै छै ता कै संसार को विछेद हो इ छै अरु संसार पंच प्रकार को वि
छेद करता सिद्ध गति प्राप्त हो इ छै यो ही नुत हृष्ट मंगलहै। इति सिवेरा ग्रो सति कारक
सज्जन चित्त वल्लभ ग्रंथ का मकीर्ति का संपूर्ण श्री रस्तु कल्याण मस्तु सकल संघ वतु॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ २४